

**फेडरेशन ऑफ मुजफ्फरनगर कॉमर्स एंड इंडस्ट्री**

की ओर से सभी देशवासियों को

**स्वातंत्र्य दिवस** की

**नीलकमल पुरी** अध्यक्ष

**हार्दिक शुभकामनाएं**

**15<sup>TH</sup> AUGUST**  
INDEPENDENCE DAY








राकेश जैन उपाध्यक्ष

अश्वनि मिश्र उपाध्यक्ष

अभिषेक अग्रवाल सचिव

आशीष गर्ग सहसचिव

आशीष बंसल कोषाध्यक्ष



**CO-OPERATIVE BANKS STAFF ASSOCIATION**

Registration No. 6896/1987-88  
(Affiliated with U.P.B.E.U. & All India Co-Op. B.E.F.)  
MUZAFFARNAGAR-UNIT

**मुजफ्फरनगर डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक लि०, मुजफ्फरनगर**

शताब्दी वर्ष (100वें वर्ष) में प्रवेश पर आभार एवं धन्यवाद

अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि आज 12 अगस्त 2026 को आपके अपने मुजफ्फरनगर डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक की स्थापना के गौरवशाली 99 वर्ष पूरे हो रहे हैं और आज इस ऐतिहासिक दिन बैंक अपने शताब्दी वर्ष (100वें वर्ष) में कदम रखने जा रहा है।

विगत लगभग एक सदी का यह सफर केवल शानदार बैंकिंग का ही नहीं, अपितु मुजफ्फरनगर व शामली जनपदों के आर्थिक, सामाजिक और कृषि उत्थान का जीवंत दस्तावेज है। बैंक की इस अभूतपूर्व यात्रा को सफल बनाने में अपना योगदान देने वाले सभी सम्मानित ग्राहकों, सहकारी बन्धुओं, सदस्य समितियों, पूर्व एवं वर्तमान अधिकारियों/ कर्मचारियों, सहकारिता विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड, जिला प्रशासन, प्रबन्ध समिति के सभी पूर्व व वर्तमान संचालकों तथा बैंक से जुड़े आम जन का कर्मचारी हितों के सजग प्रहरी के रूप में स्थापित संगठन, कोऑपरेटिव बैंक्स स्टाफ एसोसिएशन (CBSA) मुजफ्फरनगर यूनिट हार्दिक आभार व्यक्त करता है। बैंक के प्रति आप सबके अटूट विश्वास, परिश्रम, कर्मठता और निरन्तर प्रोत्साहन के बिना यह लम्बी दूरी तय करना असम्भव था। हमें पूर्ण विश्वास है कि बैंक को इस शताब्दी वर्ष में तथा भविष्य में भी आप 'जनमानस' का अपार सहयोग मिलता रहेगा।

शताब्दी वर्ष में प्रवेश करते हुए जिला सहकारी बैंक लि०, मुजफ्फरनगर अपनी परम्पराओं को सहेजते हुए आधुनिक और डिजिटल बैंकिंग के नये आयामों को छूने के लिये पूरी तरह संकल्पित है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर कोऑपरेटिव बैंक्स स्टाफ एसोसिएशन (CBSA) मुजफ्फरनगर यूनिट की ओर से आप सभी को बहुत बहुत बधाई और सादर धन्यवाद।

**आभारकर्ता**  
**समस्त सदस्य**

**कोऑपरेटिव बैंक्स स्टाफ एसोसिएशन (CBSA) मुजफ्फरनगर यूनिट**



**TEHRVI**

IN LOVING MEMORY OF

**Shri Suresh Chand Bindal Ji**

(Chairman, Bindal Group of Industries)

Our beloved Shri Suresh Chand Bindal Ji left for his heavenly abode on 01st August 2026.

It was the will of the Almighty.

**TEHRVI**

13th August 2026 (Thursday)

BRAHM BHOJ | RASAM PAGDI

12:00 PM (Noon) | 3:00 PM

**VENUE**

**Hotel Palasa**

3 km Mile Stone, Bhopa Road, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh

**SHOKAKUL PARIVAAR**

Mayank Bindal - Rashmi Bindal (Son & Daughter-in-law)  
Satvik, Savya (Grandson & Granddaughter)  
Ashok Kumar Bindal- Saraswati Bindal  
Rakesh Bindal-Shashi Bindal  
Anil Bindal- Surbhi Bindal (Brothers & Brothers' Wives)

Amit Bindal- Seema Bindal  
Vikas Bindal- Shilpi Bindal  
Sachin Bindal- Shweta Bindal  
Ankur Bindal - Sanya Bindal  
Ayush Bindal- Disha Bindal (Nephews & Nephews' Wives)  
Sanskar (Grandson) - Shreity (Grandson's Wife)  
Shivik, Shivansh, Shubh, Saurish, Akaay (Grandsons)  
Sannvi, Kritvi, Aahana (Granddaughters)

**BUSINESS COMPANIES & TRUST**

Bindals Papers Mills Ltd  
Bindals Sugar Mills & Distillery  
Aggarwal Duplex Boards Mills Ltd  
Tehri Pulp and Papers Ltd

Shakumbhari Pulp Paper Mills Ltd  
Bindals Fly High Academy (NGO)  
M/S Roshan Lal Ashok Kumar  
Bindals Duplex Ltd

**RSVP**

**Samast Bindal Parivar**





1973-2026

सम्पादक की कलम से

## योगी आदित्यनाथ सरकार और जेन-जी

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार आने वाले विधानसभा चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। भाजपा संगठन भी चुनाव को लेकर गंभीर है। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में हार के बाद, भाजपा सतर्कता बरत रही है। मंथन, मनन, और चिंतन का दौर चल रहा है। सरकार और पार्टी, छात्रों यानी जेन-जी को लेकर भी सवालिया बरत रही है। राज्य सरकार, राज्य की जेन-जी तक युवा सरकारी अधिकारियों के जरिए पहुंचने की योजना बना रही है। इसके तहत आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारी हर महीने अपने जिलों के स्कूलों में जाएंगे, छात्रों से बातचीत करेंगे और उन्हें करियर और जिन्दगी से जुड़े फैसलों पर सलाह देंगे। ये अधिकारी हर महीने अपने-अपने जिलों के कम से कम एक इंटरमीडिएट स्तर के स्कूल में जाएंगे और छात्रों से सीधे बातचीत करेंगे। वे करियर के विकल्प, प्रतियोगी परीक्षाएं, उच्च शिक्षा और जिंदगी में आने वाली चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। यह पहल दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए कार्यक्रमों जैसा पार्टी के प्रदर्शन में जेन-जी की भूमिका को लेकर बढ़ती चर्चाओं के बीच आई है। उत्तर प्रदेश सरकार इस कार्यक्रम को छात्रों के साथ जुड़ाव मजबूत करने और सरकारात्मक सोच व अच्छे कामों को बढ़ावा देने की कोशिश के तौर पर देख रही है। इसी दिशा में मुख्य सचिव ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को इस कार्यक्रम को लागू करने का निर्देश दिया है। बेसिक और माध्यमिक शिक्षा के अपर मुख्य सचिव ने भी जिला मजिस्ट्रेटों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि ये बातचीत नियमित रूप से की जाए। इन सत्रों के दौरान सरकारी अधिकारी छात्रों से सीधे बातचीत करेंगे और सवाल-जवाब के जरिए उनके सवालों का जवाब देंगे। आदेश में जेन-जी शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया है, लेकिन यह कार्यक्रम विशेष रूप से छात्रों के लिए है। छात्रों को करियर के विकल्प, पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और भविष्य की योजनाओं से जुड़े सवाल खुलकर पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इन बातचीत से छात्रों को अलग-अलग करियर विकल्पों की वास्तविकता समझने का मौका मिलेगा। इसमें सिविल सेवाएं भी शामिल हैं। वे नौकरी कर रहे सरकारी अधिकारियों के अनुभवों से यह समझ सकेंगे। इन सत्रों में जिन्दगी के लक्ष्य तय करना, पढ़ाई के सही तरीके, समय का सही इस्तेमाल और खुद पर नियंत्रण जैसे विषयों पर भी बात होगी। स्कूल जाने वाले अधिकारी यूपीएससी, यूपीपीएससी, यूपीएसएसएससी, एसएससी, एनडीए, आईआईटी-जेईई, नीट और सीयूईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में भी मार्गदर्शन देंगे। इसके अलावा, छात्रों को उच्च और तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, स्टार्टअप, सरकारी योजनाओं, वित्तीय जानकारी और विज्ञान में मेकैनेमेट के विकल्पों के बारे में भी बताया जाएगा। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि बातचीत से साइबर सुरक्षा, नशे से घटकाव, तनाव से निपटना और आत्मविश्वास बढ़ाने जैसे मुद्दों को शामिल किया जाए। सरकार जेन-जी के प्रभाव और क्षमता को समझती है और नहीं चाहती कि युवा लोग अपना ध्यान भटकाने। अगर उन्हें शुरूआत ही से सही दिशा दी जाए, तो यह बेहतर होगा। नीकशाहों से बेहतर उन्हें कौन मार्गदर्शन दे सकता है? छात्र उनसे अनुभवों से सीखेंगे, वहीं अधिकारियों को भी यह समझने का मौका मिलेगा कि आज की जेन-जी क्या चाहती है। सरकार की इस पहल का कारण कुछ भी हो, लेकिन यह छात्रों के लिये अच्छी बात है। इसके साथ ही मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ राज्य में बराबर सभाएं कर रहे हैं। कल योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं को अब पिछड़पन, बेरोजगारी या नशे से जोड़कर देखने की जरूरत नहीं है। उनका कल भी फोकस युवाओं ही पर रहा। उन्होंने कहा कि हम अपने युवा को नशेड़ी नहीं कह सकते, अपने युवा के ऊपर कोई लांछन नहीं लगा सकते। अगर उसकी क्षमता का उपयोग पहले नहीं हो पाया तो कमी युवा में नहीं, उस सिस्टम में थी, जो उसकी प्रतिभा का उपयोग नहीं कर पा रहा था। मुख्यमन्त्री ने पक्कपूर पर हमला बोलते हुए कहा कि महत्वा गांधी के नाम पर देश की सत्ता हासिल करने वाले लोगों के पास गांधी के सपनों को घरातल पर उतारने की फुरसत नहीं थी। उन्होंने काशी का उदाहरण देते हुए कहा कि गांधी जी 1916 में काशी विश्वनाथ मंदिर गए थे। वहां की सरकारी नलियों और गंदगी को देखकर उन्होंने नाराजगी जताई थी। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ धाम ब्यवस्था में सामने हैं। योगी ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम जैसे धार्मिक स्थलों के विकास ने केवल आस्था को मजबूत नहीं दी है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नयी ऊंचाई दी है। पर्यटक देवरी, होटल, रेस्टोरेन्ट, क्लब, बजार और नाविकों से जुड़ी सेवाओं पर खर्च करता है। इससे समाज के विभिन्न वर्गों के लिए रोजगार और आय के नये अवसर पैदा होते हैं। पूर्वांचल को पर्यटन के बेहतरिन्द्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भी तेजी से काम हुआ है। मुख्यमन्त्री ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश कभी माफिया और मछर की समस्या से जूझता था। माफिया जनता को खून चूसते थे और मछर बीमारी की समस्या से जूझता था। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकारों में इसेफेलाइटिस की रोकथाम और उपचार के लिए प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई। कांग्रेस के लंबे शासन और समाजवादी पार्टी की सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इन दलों ने इसेफेलाइटिस के खिलाफ आवाज तक नहीं उठाई। गोरखपुर में एस की स्थापना हुई। इसके साथ ही पूर्वांचल और आसपास के जिलों में मेडिकल कॉलेजों की श्रृंखला खड़ी हुई है। मुख्यमन्त्री ने कहा कि पूर्वांचल से माफिया तंत्र का खाला हुआ है। डबल इनजन सरकार ने प्रदेश को माफिया और मछर दोनों से मुक्त करने की दिशा में काम किया। इसका असर निवेश और रोजगार पर भी पड़ा है। मुख्यमन्त्री ने कहा कि बेहतर कारक-व्यवस्था, स्नेहविटिटी और औद्योगिक माहौल के कारण अब दूसरे राज्यों के उद्यमी उत्तर प्रदेश में निवेश करने आ रहे हैं। पहले पूर्वांचल से मैनफैक्चर के पलायन के कारण दूसरे राज्यों के उद्योगों को लाभ मिलता था, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने से युवा बाहर जाना बंद कर रहे हैं। मुख्यमन्त्री ने युवाओं की प्रतिभा को प्रशंसा की साथ ही नौकर बने हुए कहा कि सरकार ने उन्हें अवसर और प्लेनफर्म उपलब्ध कराया है। अब यही युवा पूर्वी उत्तर प्रदेश को विकास और समृद्धि की नई ऊंचाई तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

चार मोती

सुनील उत्सव

नेतागिरी 'बकवास' 'चमचे' 'गणू'

बूढ़ेगी एक दिन तो, नेतागिरी तुम्हारी, कब तक ये झूठी सच्ची, बकवास कौनकीजयेगा। चमचे बताएँ कुछ भी, लेकिन ये प्यारी जनता, कहती है तुम्हो गणू, विश्वास कीजियेगा।

## राष्ट्रपति मुर्मू ने वंदे मातरम बिल को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को वंदे मातरम बिल को मंजूरी दे दी। यह बिल 24 जुलाई को राज्यसभा में पेश किया गया था। वहां से पारित होने के बाद राष्ट्रपति के पास गया था। इस बिल के कानून बनने के बाद राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन के बराबर कानूनी सुरक्षा मिल गई है। यह कानून 1971 के राष्ट्रीय सम्मान के अगमन से रोके जाने कानून में संशोधन करता है। इसके तहत वंदे मातरम के गायन में जानबूझकर बाधा डालना, किसी सभा को इसे गाने से रोकना या इसका गायन के दायरे में आने वाला अंगमन करना अपराध होगा। ऐसे मामलों में 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। दूसरे या बाद के दोषीसिद्ध मामलों में कम से कम एक साल की जेल का प्राधान्य भी है। विपक्षी सांसदों के लगातार हमले और नाराजों के बीच लोकसभा की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है क्योंकि के बीच लोकसभा में दो बिल बिना चर्चा के पास हो गए। इनमें बंदवर्ग (बिल, 2026 और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) बिल, 2026 शामिल हैं। गृह राज्य मंत्री निखिल देव ने केरल का नाम बदलने वाला बिल पेश किया। नरेगाजी के बीच इसे बिना बहस के चर्चित कर दिया गया।

## शाहपुर के सिद्ध पीठ एकांतेश्वर महादेव मंदिर में राजा राम भवन, धार्मिक पुस्तकालय एवं नवनिर्मित कॉरिडोर का लोकार्पण

- भव्य समारोह में स्वामी यशवीर महाराज ने ध्वज स्थापित किया - हजारों शिव भक्तों ने किया जलाभिषेक



शाहपुर, 11 अगस्त (बु.)। शाहपुर के बिकुल निकट गांव पलड़ा स्थित श्री एकांतेश्वर महादेव सिद्धपीठ जुड़ी वाले शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के पूर्व पर मंदिर परिसर में राजाराम भवन, धार्मिक पुस्तकालय व नवनिर्मित कॉरिडोर के लोकार्पण के साथ श्री एकांतेश्वर महादेव मंदिर परिसर में शिवरात्रि के पावन पूर्व पर भगवान आराधना का भव्य व दिव्य रूपाभिषेक किया गया। आयोजित कार्यक्रम में बड़ी रौंड़ से मंदिर तक जाने वाले मार्ग पर श्री एकांतेश्वर धार का शिलायन्त्र सरोवर नगण मंडल रंग के नेता व क्षेत्रीय विचारक राजपाल सिंह बालियान ने किया। इसके अलावा मंदिर परिसर में योग साधना केंद्र बघरा के पीठाधीश्वर स्वामी कशवीर महाराज ने 108 पीठ उंचे धर्म ध्वज को स्थापना की आधारशिला रखी। उन्होंने मंदिर परिसर में स्थापित धार्मिक पुस्तकालय का लोकार्पण भी किया। इसके अलावा नवनिर्मित राजाराम भवन का लोकार्पण मुख्य अतिथि रामकुमार गोयल जेलेरा ने किया, मंदिर समिति के संरक्षक राजीव गंग,



रजत बंसल, पंकज शर्मा, राजू नामदेव, देवेन्द्र सैनी, सुशील प्रजापति, सचिन सलंग, श्रुतिक रंग एड, श्रुतम गोयल व वंश गोयल, विनय प्रजापति आदि सहित मंदिर समिति के पदाधिकारी व सदस्यों का योगदान रहा। शिवालयों में गुंजा हर-हर महादेव, श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया और नए एवं देहात क्षेत्र के शिवालय हर-हर महादेव के जयघोष से गुंज उठे। सुबह से ही शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शिवभक्तों ने भगवान



भोलेंनाथ का जलाभिषेक कर पंचामृत, भांग, धधरा, पुल-फल आदि अर्पित किए और विधि-विधान से पूजा-प्रकट शिव-पार्वती मंदिर सांझक तथा एकांतेश्वर धाम जुड़ी वाला मंदिर गांव गोवला, स्थित शिवालय, स्वयं सेवकों की काफी भरसकत करनी पड़ी। इसके अलावा शिव भूति, मालापुरी मंडी निश्चय गोकुल देवी मंदिर, ठाकुरद्वारा धाराम मंदिर, शिवालय, श्रीराम मंदिर रामनगर तथा



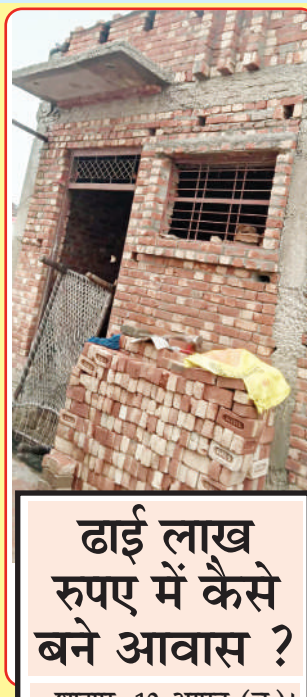
मेन रोड स्थित शिव दुर्गा मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान भोलेंनाथ का जलाभिषेक किया। पूरे क्षेत्र में दिनभर धार्मिक वातावरण बना रहा। मंदिरों में भोलेंनाथ के जलकरों और घंटियों की गुंज से माहौल भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि को प्राप्ता की।

# आसमान से टपके - शाहपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना ने बना डाले कर्जमंद तो खजूर में अटके - नहीं मिली दूसरी एवं तीसरी किश्त, बढ़ रहा कर्ज

## - 800 लोगों ने आवेदन किया 5 साल में केवल 116 की पहली किश्त आई

(सचिन संगल)

शाहपुर, 10 अगस्त (बु.)। आसमान से टपके तो - खजूर में अटके। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों का भी यही हाल है। कच्चे घरों को तोंड़कर अधूरा पक्का मकान तो बना, किन्तु पैसा पूरा न मिलने की सूत में लाभार्थी कर्जमंद बनकर रह गये हैं। पहली किश्त प्राप्त कर आवास बनाने वाले लाभार्थी दूसरी किश्त व तीसरी किश्त की प्रतीक्षा में कर्जमंद बन गये हैं तथा किराये के मकान का कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। पक्की छत के साथ बढ़ता मानसिक तनाव गरीब परिवारों को विचलित किये हुए हैं। शाहपुर नगर पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत पूर्व में हजारों कच्चे मकानों की छत पक्की हो चुकी है, किन्तु इस बार पिछले पांच वर्षों में लगभग 800 पीएम आवास योजना के आवेदकों ने नये आवेदन किये हुए हैं, लेकिन इन पांच साल में मात्र 116 लाभार्थियों को ही पहली किश्त प्राप्त हुई है और सभी बाकी आवेदक जांच में प्रयासिक तंत्र को लापरवाही के कारण आज भारी मानसिक कष्ट झेलने को मजबूर हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत - लाभार्थी को सर्वप्रथम इस बार एक लाख रुपये की पहली किश्त नींव - भरणे व लेटर तक चिनाई करने के लिए दिये गये हैं। नींव व पिलर के - निर्माण का फोटो हो जाने के बाद दूसरी किश्त में एक लाख रुपये खाते में डाला जाने हैं। आवास का निर्माण पूरा हो जाने के बाद पचास हजार की तीसरी किश्त लाभार्थी के खाते में भेजी -जानी है। अधिकतर लाभार्थियों ने अपना आवास का कार्य लेटर तक पूरा कर दो महीने पहले जियो टेंगिंग फोटो भी कर चुके हैं। दो से अढ़ाई बौत बीत जाने के बाद भी प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के आवेदन जांच में ही पड़े हैं। इस और कोई भी अधिकारी ध्यान नहीं दे रहा है और इस प्रकार गरीब के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना केवल कागजों तक ही सीमित है और गरीब पात्र लाभार्थी महरूम हैं। कुछ को तो छत भी गिर चुकी है। लाभार्थियों ने बताया कि उन्होंने रहने के लिए किराये पर मकान लिए हैं। बड़ी रकम किराये में चली गई है लेकर अपने मकान का निर्माण अधूरा है, किन्तु सरकार द्वारा पैसा न आने के कारण किराया लगातार बढ़ रही है। वहीं पहली किश्त प्राप्त कर दूसरी किश्त की प्रतीक्षा में बैठे लाभार्थियों ने बताया कि कच्चे मकान को तोंड़कर वह फस गये हैं। मकान बना नहीं है और बरसात शुरू हो गई है। वह पालीयान लगाकर अथवा झोपड़ी में रहने को मजबूर हो रहे हैं।



ढाई लाख रुपए में कैसे बने आवास ?

शाहपुर, 10 अगस्त (बु.)। लगभग ढाई वर्ष पूर्व शुरू हुई प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 से पूर्व उस समय के लिए कारगर निर्माण कार्य शुरू हो जाने के बाद लाभार्थी बिल्डिंग मॉटेरियल सप्लायर व अन्य दुकानदारों का कर्जमंद हो सकता है। बढ़ती महंगाई तथा पैसा न आने की सूत में गरीब परिवार भारी मानसिक तनाव में जीने को

मजबूर हैं। सवाल उठता है कि सरकार जहां आम आदमी को सुविधा देने के लिए प्रचार प्रसार करती है, वहीं प्रशासन की लापरवाही कहे या सरकार की कमी कहे के कारण प्रधानमंत्री आवास योजना कागजों व अनेक प्रकार व अलग अलग स्तर से जांच के नाम पर अटकती पड़ी है। जनता अनेक प्रकार के टैक्स देकर छेटी सी सहजता राशि प्राप्त करने वाला आम आदमी परेशानी का जीवन जीने को मजबूर है।

मजबूर हैं। सवाल उठता है कि सरकार जहां आम आदमी को सुविधा देने के लिए प्रचार प्रसार करती है, वहीं प्रशासन की लापरवाही कहे या सरकार की कमी कहे के कारण प्रधानमंत्री आवास योजना कागजों व अनेक प्रकार व अलग अलग स्तर से जांच के नाम पर अटकती पड़ी है। जनता अनेक प्रकार के टैक्स देकर छेटी सी सहजता राशि प्राप्त करने वाला आम आदमी परेशानी का जीवन जीने को मजबूर है।



## क्रांति सेना के कांवड़ शिविर का समापन

मुजफ्फरनगर, 11 अगस्त (बु.)।

क्रांतिसेना के 33 वें कांवड़ शिविर का समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सत्य प्रकाश रेगु ने क्रांतिसेना कांवड़ शिविर की प्रशंसा करते हुए कहा कि एकमात्र ऐसा शिविर जहां 24 घंटे शिव भक्तों को भोजन, जलपान, चाय, नाश्ता, चिकित्सा और विश्राम की पूरी व्यवस्थाएं प्राप्त होती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्रांति सेना अध्यक्ष ललित मोहन शर्मा और संचालन परम कपूर ने किया। ललित मोहन शर्मा ने सभी पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं,

दानदाताओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने प्रवृद्ध प्रकाश अय्यर आलोक अग्रवाल, वेदप्रकाश शर्मा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष पुष्पा चौधरी, शिवसेना जिला अध्यक्ष विठ्ठु सिखेड़ा, उज्ज्वल पंडित, देवेन्द्र चौहान, अभिषेक शर्मा, शैलेंद्र विष्णवर्मा, योगेंद्र बिस्तार, अमित शर्मा बोंबी, सोनू कश्यप, प्रदीप जैन व राधेश्याम आदि को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि सत्य प्रकाश रेगु, डॉ. धीरेन्द्र तिमराज, मास्टर विजय पात सिंह और सखिता अरोड़ा को भगवान भोलेंनाथ का प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

## चौथी संतान के लिए नहीं मिलेगा मातृत्व अवकाश : हाईकोर्ट

प्रयागराज, 11 अगस्त (एजेंसी)।

हाईकोर्ट ने मातृत्व अवकाश को लेकर मालवार्थी फैसला सुनते हुए स्पष्ट किया है कि यदि किसी महिला सरकार को बच्चा को दो या अधिक जीवित संतानें हैं, तो उसे मातृत्व अवकाश की प्रशंसा नहीं होगी। यह निष्पत्ति भी लागू होगी, जब वह किसी अलग संतान के लिए पहली बार मातृत्व अवकाश की मांग कर रही हो। न्यायमूर्ति मजुमदारी चौहान को एकल पीठ ने यह फैसला सुनते हुए फैसला की याचिका पर सुनाना याचिकाकर्ता ने 19 जून 2026 के दिन उठाया।



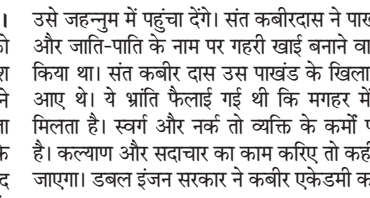
अदालत को चुनौती दी थी, जिसमें उनके चौथे बच्चे के लिए मातृत्व अवकाश की मांग खारिज कर दी गई थी। उन्होंने छह मातृत्व अवकाश देने का निर्देश देने की मांग की थी। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उन्होंने पहली तीन संतानों के जन्म के समय मातृत्व अवकाश नहीं लिया था और चौथी संतान के लिए पहली बार इस सुविधा की मांग की है। इसलिए अवकाश से इनकार करना उचित नहीं है। राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि विवाह तहत पुलिसका के नौबत प्रजापति के अनुसार मातृत्व अवकाश प्रत्येक को तारीख से 180 दिनों तक मिलेगा है। हालांकि, निर्णय में स्पष्ट है कि महिला सरकार कर्मचारी को दो या अधिक जीवित संतानें होने पर मातृत्व अवकाश स्वीकृत नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने निर्णय के आधार पर याचिकाकर्ता को राहत देने से इनकार कर दिया और चौथी संतान के लिए मातृत्व अवकाश की मांग खारिज कर दी।

## योगी बोले-युवाओं की नौकरी पर डकैती डाली तो जहन्नुम पहुंचा देंगे

कहा: राहुल और अखिलेश पढ़े-लिखे हैं या नहीं?:इनकी बातों पर हंसी आती है;

संतकबीर नगर, 11 अगस्त (एजेंसी)।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को संतकबीरनगर में राहुल गांधी और अखिलेश यादव की पढ़ाई पर सवाल खड़े कर दिया। उन्होंने कहा- राहुल जी और अखिलेश यादव जी, पता नहीं आप पढ़े-लिखे हैं या नहीं, आप लोगों के द्वारा कही जाने वाली बातें कभी-कभी हास्यास्पद होती हैं, आपको कटघरे में खड़ा कर देती हैं। योगी ने कहा, आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जो प्रोग्रेंड्स कर रही हैं। मैं इससे पूछना चाहता हूँ कि इन्होंने क्या किया था? यहां बीएमपी से मौतें होती थीं, गरीब का बच्चा मरता था, ये सोन रहते थे। एक साइपर के रूप में मैंने इसकी पढ़ाई सड़क से संसद तक लड़ी, आज ये क्षेत्र इसेफेलाइटिस में हैं। सीएम ने कहाओं को बिना प्रश्नचार्ज के नौकरी देने का आरोप दिया। उन्होंने कहा कि एस और कांग्रेस के समय नौजवानों की नौकरियों पर डकैती पड़ती थी, लेकिन अब नौजवानों के साथ किसी ने खिलवाड़ किया तो



4 साल की बच्ची पर कुत्ता का हमला: 7 कुत्तों ने 43 सेकेंड तक काटा

पूणे, 11 अगस्त (एजेंसी)। जिले के निम्नी-निम्नीवाडी में सात आवासीय कुत्तों ने चार साल की बच्ची पर हमला कर दिया। कच्ची गंभीर रूप से घायल हो गईं। उसके सिर पर 80 से ज्यादा टांके लगे हुए हैं। घटना चिखली इलाके में रविवार दोपहर की है। बच्ची के पिता निरुधर मिश्रा के मुताबिक, बच्ची पास के पेड़ से कुछ फलियां लेने के लिए घर से बाहर निकली थी। पेड़ के पास पहुंचते ही कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि कुत्तों के झुंड ने कुत्तों 43 सेकेंड तक बच्ची को काटा। उसके हाथों और जांघों पर चोट आई है।



मुजफ्फरनगर बुलेटिन

संस्थापक सम्पादक एवं हमारे प्रेरणास्रोत स्व. उत्तमचन्द्र शर्मा

शोक संदेश

ओम शान्ति

ओम शान्ति

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूजनीय माताजी श्रीमती धीरो देवी धर्मपती (स्व. श्री ओम प्रकाश संगम जी) का स्वर्गवास दिनांक: 31 जुलाई 2026, दिन- शुक्रवार को हो गया था। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और हम सभी को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उनकी रसम पगड़ी: दिनांक 13 अगस्त 2026, दिन- गुरुवार को होनी निश्चित हुई है।

कार्यक्रम

गुरुवार, 13 अगस्त 2026

बहाभोज .....10.00 बजे प्रातः

रसम पगड़ी (तेरहवीं) .....2.00 बजे दोपहर

स्थान - द प्लैटिनम रिजॉर्ट, पचैडा रोड, मुजफ्फरनगर

शोककुल परिवार

पुत्र-पुत्रवधू अजय कुमार-बबली मनुष कुमार-कल्पना सिंह संगम-सविता अश्वनी कुमार-राशिका विभान कुमार-मीनाक्षी

पुत्र-पुत्रवधू मयंक, विनायक सार्थक, अनिरुद्ध सुजल, विशाल दिव्योम

पुत्री-पुत्रीवधू अकाशदीप-ज्योति प्रभा सिद्धार्थ संगम-अंशुल अतुराग-सोनम

पुत्री-पुत्रीवधू संगम पेल्ले, गोल मार्किट, मुं नगर संगम बैकर्स, सुलेटीन गंज, मुंनगर संगम फैशंस, गोल मार्किट, मुंनगर ओमप्रकाश एण्ड सन्स, गोल मार्किट, मुंनगर

पुत्री-पुत्रीवधू संगम पेल्ले, गोल मार्किट, मुं नगर संगम बैकर्स, सुलेटीन गंज, मुंनगर संगम फैशंस, गोल मार्किट, मुंनगर ओमप्रकाश एण्ड सन्स, गोल मार्किट, मुंनगर

पुत्री-पुत्रीवधू संगम पेल्ले, गोल मार्किट, मुं नगर संगम बैकर्स, सुलेटीन गंज, मुंनगर संगम फैशंस, गोल मार्किट, मुंनगर ओमप्रकाश एण्ड सन्स, गोल मार्किट, मुंनगर

पुत्री-पुत्रीवधू संगम पेल्ले, गोल मार्किट, मुं नगर संगम बैकर्स, सुलेटीन गंज, मुंनगर संगम फैशंस, गोल मार्किट, मुंनगर ओमप्रकाश एण्ड सन्स, गोल मार्किट, मुंनगर

